सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 04 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 4 फरवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

आप जितना अपने कार्यकलापों की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहते हैं, उतने ही विश्वसनीय बनते हैं।

–ब्रायन कोसलो

रणजी ट्रॉफी: मुंबई टीम से खेलेंगे... 7 | मिल्कीपुर उपचुनाव का थमा... 3 | सबसे बड़े भूमाफिया भाजपा के... 2

महाकुंभ हादसे पर संसद में फिर घिरी सरकार

अखिलेश ने मृतकों के लिए मौन की मांग की

» सपा समेत कई विपक्षी दलों ने योगी सरकार से मांगा जवाब

» कई नेताओं ने दिया स्थगन का नोटिस

» सपा प्रमुख बोले- डिजिटल कुंभ कराने वाले मृतकों के आंकड़े नहीं दे रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आज चौथा दिन है। लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण की चर्चा हो रही है। संसद में आज भी प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर हंगामा हुआ। सपा व अन्य विपक्षी दलों ने सरकार पर जमकर हमला बोला। कई नेताओं ने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस भी दिया।

सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि सतयुग से लेकर कलयुग तक ये सनातन परंपरा रही है कि संत-महात्मा मुहूर्त के हिसाब से शाही स्नान करते हैं, उसमें नक्षत्रों के हिसाब से जो संयोग बनता है, वही शाही स्नान का मुहूर्त होता है, लेकिन भाजपा के सरकार में ये परंपरा टूट गई। महाकुंभ की व्यवस्था के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए मेरी मांग है कि सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। महाकुंभ आपदा प्रबंधन, खोया-पाया केंद्र की जिम्मेदारी केंद्र को दी जाए, घायलों का इलाज, दवा-डॉक्टर, भोजन पानी का आंकड़ा संसद में पेश किया जाए. महाकुंभ हादसे के जिम्मेदार लोगों पर घोर दंडात्मक कार्रवाई की हो। जिन्होंने सच छिपाया है, उन्हें दंडित किया जाए, हम डबल इंजन की सरकार से पूछता हूं कि अगर अपराध बोध नहीं था तो आंकड़े दबाए, छिपाए और मिटाए क्यों गए हैं, साक्ष्य छिपाना भी अपराध है।

छुपाने के लिए दबाव और कुछ मिठाइयां दी जा रही

अखिलेश ने कहा कि जब पता चला कि कुछ लोगों की जान चली गयी है, उनके शव मुर्दाघर और अस्पताल में पड़े हैं, तो सरकार ने अपने सरकारी हेलीकॉप्टर को फूलों से भर दिया और फूलों की पंखुड़ियाँ बरसायीं। ये कैसी सनातनी परंपरा है? उन्होंने कहा कि भगवान जाने कितनी चप्पलें, कपड़े और साड़ियां वहां पड़ी थीं और उन्होंने जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर ट्रॉली से सब उठा लिया। किसी को नहीं पता कि उन्हें कहां फेंका गया। सुनने में आ रहा है कि सब कुछ छुपाने के लिए कुछ दबाव और कुछ मिठाइयां दी जा रही हैं ताकि उनकी खबर बाहर न आ सके।

अब तक मुख्यमंत्री ने शोक नहीं जताया

सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शोक नहीं जताया। जब देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया तो 17 घंटे बाद (राज्य) सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया। ये वो लोग हैं जो आज भी सत्य को स्वीकार नहीं कर पाते। अपना हमला जारी रखते हुए अखिलेश ने कहा कि मुझे याद है इन्वेस्टमेंट मीट का सबसे बड़ा आयोजन उत्तर प्रदेश में हुआ था। इन्वेस्टमेंट मीट में न सिर्फ निवेशकों को आमंत्रित किया गया, बल्कि डिफेंस एक्सपो के कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। आश्वासन दिया गया कि 40 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस डबल इंजन सरकार से जानना चाहता हूं कि जो 40 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, उनमें से कितना जमीन पर ये सरकार ला पाई है? कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार के डबल इंजन आपस में टकरा रहे हैं? अब जो खबर हम पढ़ रहे हैं वह यह है कि सिर्फ इंजन ही नहीं टकरा रहे हैं, डिब्बे भी टकराने लगे हैं।

सरकार बताए मौत के आंकड़े क्यों छिपाए : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा में कहा कि महाकुंभ की व्यवस्था के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों का सही आंकड़ा दिया जाए, आंकड़े छिपाने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार लगातार बजट के आंकड़े दे रही है तो कृपया महाकुंभ में मरने वालों का भी आंकड़ा दें। मेरी मांग है कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। महाकुंभ आपदा प्रबंधन और खोया-पाया केंद्र की जिम्मेदारी सेना को दी जाए।सपा प्रमुख ने कहा कि महाकुंभ दुर्घटना में हुई मौतों, घायलों के इलाज, दवाओं, डॉक्टरों, भोजन, पानी, परिवहन की उपलब्धता का आंकड़ा संसद में पेश किया जाना चाहिए। महाकुंभ त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए और जिन्होंने सच्चाई छिपाई है उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

दिल्ली विस व मिल्कीपुर उपपुचाव में वोटिंग कल

» सियासी दलों ने मतदाताओं से की मतदान की अपील

» मिल्कीपुर में भाजपा व सपा का सीधा मुकाबला

» दिल्ली में आप, भाजपा व कांग्रेस में टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार का शोर थम गया है और अब नेता-कार्यकर्ता घर-घर जाकर व्यक्तिगत प्रचार कर रहे हैं। दिल्ली का चुनाव सुखियों में जबर्दस्त छाया रहा।

इसके बावजूद उत्तर प्रदेश की एक विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव का हाई वोल्टेज प्रचार भी सुर्खियों में रहा। पांच फरवरी को जब दिल्ली के लोग वोट डालेंगे, तो उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा और तमिलनाडु की इरोड विधानसभा के उपचुनाव के लिए भी वोट डाले जाएंगे। मिल्कीपुर सीट बीजेपी के लिए ये सीट हमेशा से ही कड़ी चुनौती रही है। पिछले 33 साल में मिल्कीपुर विधानसभा सीट बीजेपी सिर्फ एक बार ही जीत पाई है। इसलिए ये सीट जीतना बीजेपी के लिए इस बार भी बड़ी चुनौती है। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर आरक्षित विधानसभा सीट तो राज्य की सत्तारूढ़ बीजेपी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के लिए नाक की लड़ाई बन चुकी है। अयोध्या जिले और फ़ैज़ाबाद लोकसभा सीट के तहत आने वाली मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर वैसे तो दस उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुक़ाबला बीजेपी के उम्मीदवार चंद्रभान पासवान और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अजीत प्रसाद के बीच है। अजीत प्रसाद इस सीट से पूर्व विधायक रहे अवधेश प्रसाद के बेटे हैं।

बीजेपी के लिए कड़ी चुनौती

मिल्कीपुर सीट की ख़ास बात ये है कि बीजेपी के लिए ये सीट हमेशा से ही कड़ी चुनौती रही है। पिछले 33 साल में मिल्कीपुर विधानसभा सीट बीजेपी सिर्फ़ एक बार ही जीत पाई है इसलिए ये सीट जीतना बीजेपी के लिए इस बार भी बड़ी चुनौती है। फ़ैज़ाबाद के मौजूदा सांसद अवधेश प्रसाद ने 2022 में मिल्कीपुर सीट से बीजेपी उम्मीदवार गोरखनाथ को हराया था। उधर दलित महिला पर यौन हमला इसबार फिर चुनावी मुद्दा बना गया है।

दिल्ली की सीएम आतिशी के खिलाफ एफआईआर

विधानसभा चुनाव से ठीक एक दिन पहले, दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को दो मामले दर्ज किए - एक, दिल्ली की सीएम आतिशी के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए और दूसरा मामला उनके समर्थकों के खिलाफ एक पुलिस अधिकारी पर कथित रूप से हमला करने के लिए। पुलिस के अनुसार सत्तारूढ़ आप के दो सदस्यों पर काम में बाधा डालने और हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सबसे बड़े भूमाफिया भाजपा के लोग : अखिलेश

मिल्कीपुर उपचुनाव : सपा ने किया वादा- 2027 में सरकार आई तो अयोध्या को बनाएंगे वर्ल्ड क्लास सिटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अयोध्या में विकास के नाम पर लोगों से जमीनें छीनी और लोगों को मुआवजा नहीं दिया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जब सपा की सरकार बनेगी तो हम अयोध्या को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अयोध्या में खरीदी गई जमीनों की सूची जारी कर दें तो पता चल जाएगा कि सबसे बड़ा भूमाफिया कौन है? सबसे बड़े भूमाफिया भाजपा के लोग ही हैं। अयोध्या में फाइव स्टार होटल बनाने के लिए जमीन ली गई पर गरीबों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि ये तो भाजपा के लोग भी जानते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी के नहीं हैं। वो भाजपा वालों के भी नहीं हैं। वो सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए लोगों को डराने-धमकाने का काम कर रही है। इसके लिए अफसरों की तैनाती की जा चुकी है। अफसरों में पीडीए के लोग नहीं हैं। अखिलेश यादव ने महाकुंभ में मची भगदड़ को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री योगी गूगल पर सर्च करना नहीं जानते हैं। अगर जानते हों तो गूगल पर महाकुंभ टाइप करें पता चल जाएगा कि कितनी जगह भगदड़ मची है।

जनसभा को प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद आरके चौधरी पूर्व मंत्री, आनन्द सेन, पवन पाण्डेय, विधायक त्रिभुवन दत्त, संग्राम यादव, गौरव रावत, जिलाध्यक्ष पारस नाथ यादव, फिरोज खान, गब्बर खां, अंकुर सेन ने सम्बोधित किया। जनसभा का संचालन पूर्व विधायक अब्बास अली रुश्दी मियां ने किया।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव जयशंकर पाण्डेय, पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप, महेन्द्र यादव, डॉ. राजपाल कश्यप, राम आसरे विश्वकर्मा, मिठाई लाल भारती धर्मेन्द्र सोलंकी, लक्ष्मण यादव, शकील नदवी, राम करन निर्मल, अरविन्द गिरि, संजय सविता विद्यार्थी आदि भी मौजूद रहे।

जाति, धर्म और क्षेत्रीय राजनीति से ऊपर उठकर करें वोटिंग : मायावती

बसपा प्रमुख ने की दिल्ली के मतदाताओं से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने दिल्ली के मतदाताओं से विधानसभा चुनावों में जाति, धर्म और क्षेत्रीय राजनीति से ऊपर उठकर उनकी पार्टी का समर्थन करने की अपील की। बसपा ने दिल्ली विधानसभा की 70 सीट के लिए 69 उम्मीदवार उतारे हैं, जहां पांच फरवरी में मतदान होना है। मायावती ने एक बयान में दिल्ली में ''साफ पेयजल का अभाव'' और ''बदहाल जीवन'' को मुद्दा बनाते हुए राष्ट्रीय राजधानी में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों को राष्ट्रीय राजधानी की ''दुर्दशा'' के लिए जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को संकीर्ण राजनीतिक एजेंडों को खारिज करना चाहिए और एक सच्ची समावेशी सरकार सुनिश्चित करने के लिए आंबेडकरवादी बसपा को वोट देना चाहिए।'' मायावती ने उत्तर प्रदेश में बसपा के कार्यकाल का भी हवाला दिया और इसे ''सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय'' हितैषी सरकार बताया। उन्होंने मतदाताओं, खासकर अविकसित कॉलोनियों में रहने वालों को विरोधी दलों द्वारा किए जा रहे ''झूठे वादों'' के प्रति आगाह किया। मायावती ने आरोप लगाया कि आप, भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक झगड़े ने दिल्ली के विकास को प्रभावित किया है और उन्होंने मतदाताओं से भ्रामक आश्वासनों के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बसपा अकेले चुनाव लड़ रही है और उम्मीद है कि पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी, बशर्ते चुनाव ''धनबल, बाहुबल, सांप्रदायिक एवं धार्मिक उन्माद या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ''छेड़छाड़'' के बिना ''स्वतंत्र और निष्पक्ष'' तरीके से आयोजित किए जाएं।

आकाश आनंद ने संभाला मोर्चा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुख्य स्टार प्रचारक होने के बावजूद बसपा अध्यक्ष मायावती ने कोई भी रैली अथवा जनसभा को संबोधित नहीं किया। दिल्ली में दलित वोट बैंक के अपने मजबूत आधार के बावजूद उन्होंने प्रचार की पूरी कमान अपने भतीजे एवं पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद के कंधों पर डाल दी। मायावती के इस फैसले के अब सियासी निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं।बता दें कि बसपा सुप्रीमो अपने जन्मदिन के बाद दिल्ली चली गईं थीं, हालांकि उन्होंने किसी भी जनसभा में हिस्सा नहीं लिया। दिल्ली में बसपा की सभी बड़ी जनसभाओं का नेतृत्व आकाश आनंद ने ही किया। जानकारों की मानें तो मायावती ने पार्टी में आकाश आनंद का कद बढ़ाने और उन्हें उत्तराधिकारी को मजबूत करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। इससे पहले हरियाणा चुनाव में भी आकाश आनंद को ही नेतृत्व सौंपा गया था, जिन्होंने गठबंधन से लेकर तमाम अहम फैसले लिए थे। हरियाणा के बाद दिल्ली की राजनीति में भी आकाश के पैर जमाने पर पूरा फोकस रखा गया है।

निर्भया कांड से भी ज्यादा वीभत्स है अयोध्या दुष्कर्म कांड : प्रमोद तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। ये घटना दिल्ली में हुए निर्भया कांड से भी ज्यादा खौफनाक है।

उन्होंने कहा कि दोषियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। ये सब कुछ अयोध्या में हुआ है। क्या यही रामराज्य है। दोषियों को तत्काल सजा दी जाए।

मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान लिया है। रविवार को उन्होंने परिजनों से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री ने श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए मृतका के घर भेजा और यथासंभव हर मदद करते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल कोरी रविवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने मृतका के परिवार से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। अयोध्या पहुंचे राज्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि घटना बहुत ही दर्दनाक है। जघन्य अपराध हुआ है। दुर्दांत तरीके से बिटिया की हत्या हुई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

किरोड़ी लाल मीणा बीमार नहीं मजबूर हैं : कांग्रेस

विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा नेता को बताया था अस्वस्थ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। विधानसभा में प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी कैबिनेट मंत्री किरोड़ी के सत्रान्त तक सदन की कार्यवाही से अवकाश पर रहने की सूचना दी।

इस पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा कर दिया। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा अब शेष बजट सत्र में शामिल नहीं होंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को सदन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अस्वस्थता के चलते किरोड़ी लाल मीणा ने सदन से शेष सत्रान्त में अनुपस्थित रहने की अनुमति मांगी है। इस पर स्पीकर ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को पारित घोषित कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बोले कि किरोड़ी लाल मीणा अस्वस्थ्य नहीं हैं, बल्कि मजबूर हैं। इससे पहले सरकार ने किरोड़ी लाल मीणा की जगह सदन में उनके जवाब देने के लिए मंत्री ओटाराम देवासी और केके विश्नोई को अधिकृत कर दिया था।

मिल्कीपुर उपचुनाव का थमा प्रचार

सपा व भाजपा ने किया एक-दूसरे पर वार

- अखिलेश व योगी एक-दूसरे पर बरसे
- बुधवार को होगा मतदान, तैयारी पूरी
- भाजपा-सपा दोनों के सियासी समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के साथ यूपी के अयोध्या के मिल्कीपुर विधान सभा के उपचुनाव 5 फरवरी को होने हैं। सियासी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। 3 फरवरी की शाम को चुनावी प्रचार थम गए। सपा व भाजपा ने एक दूसरे पर कई वार-पलटवार किए हैं। मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में यों तो भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला दिख रहा है। सपा के बागी व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सूरज चौधरी व कांग्रेस के बागी भोलानाथ भारती इसे बहुकोणीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव में दलित व ब्राह्मण वोट निर्णायक भूमिका में हैं। जो दल इन दोनों जातियों को साधने में सफल रहेगा उसके सिर जीत का सेहरा बंधेगा।

इसी वजह से दोनों दलों के क्षत्रपों ने पूरे इलाके को मथ दिया है।अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद फैजाबाद संसदीय सीट पर भाजपा की हार की वजह से यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। पूरे देश की नजर दिल्ली विधानसभा के साथ हो रहे इस एकमात्र सीट के उपचुनाव पर टिकी हुई है। आरक्षित सीट होने की वजह से सभी दलों से दलित समुदाय के लोग ही चुनाव मैदान में हैं। भाजपा और सपा दोनों ही पासी बिरादरी से प्रत्याशी के बलबूते चुनाव मैदान में हैं। दोनों पार्टियों ने विधायकों तथा रणनीतिकारों की फौज उतार रखी है। सभी अपने अपने तरीके से मतदाताओं को भुनाने में जुटे हुए हैं। ब्राह्मण मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक खब्बू तिवारी और सपा ने पूर्व मंत्री पवन पांडेय व अन्य को लगा रखा है। खब्बू लगातार इलाके में सक्रियता बनाए हुए हैं। भाजपा के चंद्रभानु व सपा के अजित प्रसाद दोनों ही युवा हैं। दोनों इलाके में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। यदि 2002 से पिछले पांच विधानसभा चुनाव की बात की जाए तो तीन बार सपा और भाजपा व बसपा एक-एक बार जीत दर्ज करने में सफल रही है।

चुनाव में सपा और भाजपा दोनों के साथ ऐसे कुछ समीकरण हैं जिससे उन्हें कुछ फायदा है तो नुकसान भी। भाजपा के चंद्रभानु पासवान को टिकट मिलने के बाद अन्य दावेदार नाराज हो गए। इनमें पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ, रामू प्रियदर्शी भी थे, लेकिन बाद में मुख्यमंत्री के आश्वासन पर सभी नाराज नेता चुनाव प्रचार में शामिल हो गए। सपा के लिए फायदे की बात यह है कि पूर्व मंत्री व कद्दावर नेता मित्रसेन यादव के बेटे आनंद सेन साथ हैं। पहली बार सेन परिवार अवधेश प्रसाद के साथ आया है। हालांकि, उसे बागी व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) प्रत्याशी सूरज चौधरी से नुकसान पहुंच सकता है।सूरज सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है और चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले उन्होंने परिवारवाद व अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए सपा से किनारा कर लिया था। इसके साथ ही कांग्रेस के साथ होने के बाद भी पार्टी के कद्दावर नेता भोलानाथ भारती मैदान में हैं। कांग्रेस की ओर से नोटिस दिए जाने के बाद भी वह मैदान से नहीं हटे। भोलानाथ ने जिला पंचायत चुनाव में सपा प्रत्याशी तथा अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को हराया था। इस वजह से उनका क्षेत्र में जनाधार बताया जाता है। सपा परिवारवाद के आरोप से भी जूझ रही है। सपा पर सत्ताधारी दल की ओर से लगातार इसको लेकर हमले किए जा रहे हैं। वह इसे भुनाने में लगी हुई है।

उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू भाजपा : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू है। भाजपा सरकार मिल्कीपुर में हर तरह की साजिश कर रही है। प्रशासन द्वारा कोटेदारों और प्रधानों पर दबाव बनाया जा रहा है। मिल्कीपुर में जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। जनता समाजवादी पार्टी को जिताने को तैयार है लेकिन सरकार के दबाव में प्रशासन समाजवादी पार्टी को हराना चाहता है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी बेईमान और झूठी पार्टी है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों का तिरस्कार कर रही है। भाजपा समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी मुकदमें लगवाकर उन्हें परेशान कर रही है। भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है। भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। अपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा राज में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा की हर साजिश और षडयंत्र के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। समाजवादी पार्टी की लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है। मिल्कीपुर में समाजवादी पार्टी की जीत से लोकतांत्रिक मूल्यों को ताकत मिलेगी। समाजवादी पार्टी के नेता, कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को भाजपा की भेदभावपूर्ण नकारात्मक राजनीति के बारे में बताएं और भाजपा के गलत फैसलों के कारण चरम पर पहुंची महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार की जानकारी दें। अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों को जो आज परेशानियां हो रही हैं उसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। ऐसी जनविरोधी भाजपा को अब मिल्कीपुर के मतदाता और बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री अजीत प्रसाद को वोट देकर भारी मतों से जिताकर भाजपा को हराएंगे।

मुद्दे की बात न होने से लोग मायूस

इलाके के लोगों का कहना है कि क्षेत्र के विकास की बात होनी चाहिए। बेरोजगारी कैसे दूर हो, इसकी चिंता हो। कैसे युवाओं का अन्य जगहों पर रोजी-रोटी की तलाश में जाना रुके, इस पर ध्यान होना चाहिए। मुद्दे पर तो बात ही नहीं हो रही है, सब अपनी

पार्टी के लिए वोट मांग रहे हैं। आखिर नई पीढ़ी के सामने रोजी-रोजगार के क्या साधन होंगे, पढ़ाई लिखाई, स्वास्थ्य की कैसी व्यवस्था होगी, यह प्राथमिकता होनी चाहिए। चाहे इलाके में सभाएं हों या रोड शो या पार्टियों की बैठकें सभी में वादे किए जा रहे हैं, लेकिन किसी ने भी ठोस एलान नहीं किया। यह नहीं बताया कि रोडमैप क्या होगा।

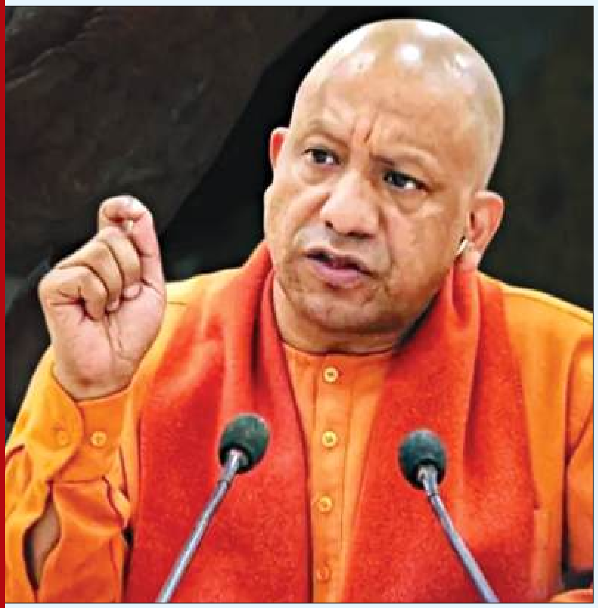

मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा को किया संबोधित

रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित किया और कहा कि सपा हमेशा ही अपराधियों को संरक्षण देती है। उन्होंने कहा कि यह सपा की सरकार ही थी जहां गुंडे खुलेआम वसूली करते थे और बेटियां सुरक्षित नहीं रहती थीं। मिल्कीपुर में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को परिणाम की घोषणा की जाएगी। सीएम योगी भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ही सपा को घेरते रहे हैं।

प्रचार के अंतिम दिन अखिलेश यादव भूपेंद्र चौधरी ने झोंकी ताकत

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू है। कोटेदारों और प्रधानों पर प्रशासन दबाव बना रहा है। सपा अध्यक्ष ने बयान में कहा कि जनता सपा को जिताने को तैयार है, पर सरकार के दबाव में प्रशासन समाजवादी

पार्टी को हराना चाहता है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों का तिरस्कार कर रही है। भाजपा, सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी मुकदमे लगवाकर उन्हें परेशान कर रही है। भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है। भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा राज में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। उधर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को मिल्कीपुर में मोर्चा संभाला।

वोटरों का लेखा-जोखा

कुल मतदाता - 3,70,822

पुरुष-महिला -1,92,984 ,1,77,838

जातिगत आंकड़े (अनुमानित),

अनुसूचित जाति 90 हजार

पासी	- 65 हजार
यादव	- 62 हजार
मुस्लिम	- 31 हजार
ब्राह्मण	- 63 हजार
क्षत्रिय	- 18 हजार
चौरसिया	- 16 हजार
मौर्या	- 12 हजार

अन्य (कुर्मी, निषाद, विश्वकर्मा)-13829

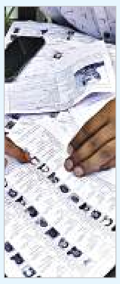

रोडशो को लेकर पुलिस ने कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया

समाजवादी पार्टी (सपा) की एक सांसद के खिलाफ एक रोडशो के दौरान सरकारी आदेशों के उल्लंघन के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार उप निरीक्षक आलोक कुमार सिंह की तहरीर के आधार पर इनायत नगर पुलिस थाने में अज्ञात सपा कार्यकर्ताओं और सांसद डिंपल यादव के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि शिकायत में रोडशो के दौरान अनुमति से अधिक वाहनों के उपयोग सहित सरकारी आदेशों के उल्लंघन का आरोप है। मिल्कीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) श्रीयश त्रिपाठी ने कहा, सपा नेता डिंपल यादव के नेतृत्व में यहां बृहस्पतिवार को आयोजित रोडशो के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि रोडशो कुमारगंज से मिल्कीपुर तक निकाला गया और उसके कारण रायबरेली राजमार्ग के दोनों लेन पर यातायात जाम हो गया। उन्होंने कहा कि रोडशो में भारी भीड़ थी, जिससे क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को मतों की गिनती होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जलवायु परिवर्तन बच्चों की पढ़ाई पर डाल रहा असर!

> “ वर्ष 2024 में दुनिया के 85 देशों में 24.2 करोड़ बच्चों की पढ़ाई चरम मौसम के कारण बाधित हुई। इसका अर्थ यह है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर के स्कूल जाने वाले हर सात बच्चों में से एक बच्चा मौसमी बाधाओं के कारण कभी न कभी स्कूल नहीं जा सका। शोध के अनुसार बढ़ती गर्मी एवं गर्म दिनों की अधिक संख्या ने न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बल्कि परीक्षा परिणामों को खराब किया।

अब दुनिया में जलवायु परिवर्तन से बच्चे भी प्रभावित होने लगे हैं। ऐसी रिपोर्ट आर रही है कि इसकी वजह से बच्चों की पढ़ाई छूट रही हैं। इस मौसमी परिवर्तन के लिहाज से भारत को बेहद संवेदनशील देश करार दिया गया। वर्ष 2024 में दुनिया के 85 देशों में 24.2 करोड़ बच्चों की पढ़ाई चरम मौसम के कारण बाधित हुई। इसका अर्थ यह है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर के स्कूल जाने वाले हर सात बच्चों में से एक बच्चा मौसमी बाधाओं के कारण कभी न कभी स्कूल नहीं जा सका। शोध के अनुसार बढ़ती गर्मी एवं गर्म दिनों की अधिक संख्या ने न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बल्कि परीक्षा परिणामों को खराब किया। मौसमी बाधाओं का असर बच्चों की शिक्षा पर लंबे समय तक रहता है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में चेताया है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन ऐसे ही जारी रहा, तो वर्ष 2050 तक बच्चों के गरम हवाओं के संपर्क में आने की संभावना आठ गुनी बढ़ जाएगी।

सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा एवं विश्व के शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम जलवायु परिवर्तन से जुड़े बच्चों के संकट से निपट सकेंगे अन्यथा यह विश्व के बच्चों के प्रति बड़ा अपराध होगा, उनके विनाश का कारण बनेगा। वर्ष संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट ‘लर्निंग इंटरप्टेड रू ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024’ में चौंकाने वाले तथ्यों एवं खुलासे ने बच्चों को लेकर चिन्ता को बढ़ा दिया है। अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आते रहे हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन का बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य विषयक ऐसा संवेदनशील अध्ययन पहली बार सामने आया है, जिसने जहां नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों को चिन्ता में डाला है वहीं अभिभावकों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। सरकार पर भी दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले घातक असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां बनाये एवं उन्हें तत्परता से लागू करें। इस रिपोर्ट के अनुसार गत वर्ष सिर्फ भारत में लगभग पांच करोड़ छात्र लू एवं अत्यधिक गर्मी के कारण प्रभावित हुए। नेचर क्लाइमेट चेंज’ पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार दक्षिण एशिया, खासकर भारत, बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे देशों में अप्रैल महीने में गरम हवा की लहरों (हीटवेव) ने शिक्षा व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया। इस गलत प्रभाव को रोकने के लिए समाज व सरकार को एक साथ आना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राम भरोसे चल रही व्यवस्था के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

जो राख से राख, धूल से धूल। उतनी ही भक्ति, निराशा, हताशा, क्रोध और तो और संतुष्टि तक को भी खुद में समा ले, सबसे बढ़कर है उसकी पिछले कुछ सहस्राब्दियों से जारी तिरस्कार को सहन करने की शक्ति। और इसीलिए, इस सप्ताह की शुरुआत में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र मौनी अमावस्या की रात को गंगा ने 31 और शवों को जज्ब कर लिया – बगल के गांव झूसी में भी सात अन्य शवों को – एक दिन पहले हुई यह भगदड़ हालांकि बहुत छोटी थी। जहां पर कई करोड़ लोग शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए ठीक एक ही समय पर संगम में पवित्र डुबकी लगाएं, वहां 38 जिंदगियां कहां गिनती में। योगी आदित्यनाथ ने अभी भी मृतकों की उस गिनती की पुष्टि नहीं की है जो उनकी पुलिस बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शोक संतप्त परिवारों को दिलासा दिया है। विश्व हिंदू परिषद के वैश्विक प्रमुख आलोक कुमार का कहना है कि इसमें भी ‘प्रभु की इच्छा’ है। समस्या यह है कि विश्व हिंदू परिषद का नेता सही है।

पिछले कुछ दिनों से गंगा किनारे के आश्रमों और अखाड़ों में तीर्थयात्रियों की मौत पर भले ही गहरा दु:ख पसरा हो, लेकिन कुल मिलाकर यह भावना अभी भी प्रबल है ‘चलो, हो गया। था तो भयानक, लेकिन फिर यह कुंभ है। वह भी कोई साधारण नहीं, बल्कि महाकुंभ। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ इतनी छोटी-सी जगह में इकट्ठे प्रार्थना करना चाहते हों, तो किसी भी सरकार को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है?’ मेरे जैसे लोग आस्थावानों के अडिग भाग्यवाद पर प्रश्न कर सकते हैं, शायद समस्या का यह भी एक हिस्सा है। आप में कुछ अधिक उद्वेलित हुए अपने पैर पटकते हुए मांग कर सकते हैं कि इस मुख्यमंत्री को बर्खास्त करो, उस डीजीपी का तबादला करो। इसके बजाय, मेरा आपसे अनुरोध है कि गर्माइश भरे अपने घरों से बाहर निकलकर निकटतम रेलवे स्टेशन पर पहुंचें, जहां से प्रयागराज के लिए ‘कुंभ स्पेशल’ रेलगाड़ियां रवाना हो रही हैं।

अपने सिर पर खाने-पीने का सामान लादकर ले जाते श्रद्धालु दिखेंगे सबसे गरीब तबके के लोग, जिनके पास आलम्बन के तौर पर सर्वशक्तिमान में विश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है – यह सोचकर कि शायद, किसी दिन, वह उनकी हालत बहुराएगा। रेल के डिब्बे इंसानों से खचाखच भरे हैं, तंबई रंग के चेहरों पर काली, उम्मीद भरी आंखें,

सिर पर गमछा बांधे पुरुष, चमकीले रंग की साड़ियां पहने महिलाएं – लाल, नारंगी, गुलाबी – जो कि उर्वरता और मेले के रंग हैं। बेशक, यह तीर्थयात्रा आनंद पाने के लिए भी है। गंगा पर बने पंटून पुलों से होते हुए संगम की ओर जाते वक्त और वहां से वापसी के दौरान ‘जय मां गंगे’ का जयकारा गूंजता रहता है! वह रेत, जहां बमुश्किल पांच साल पहले, कोविड के भयानक वर्षों के दौरान शवों को दफनाया गया था। उस रेत को सूंघते-खोदते कुत्तों की तस्वीरें आपको याद होंगी। अब परिवार के परिवार उसी रेत पर विश्राम कर रहे हैं, किटकैट चॉकलेट के रैपरों से बनी प्लास्टिक की चादरों पर। गृह मंत्री अमित शाह और उनकी पत्नी, और साथ में योगी भी, सोमवार को संगम में डुबकी लगाने पहुंचे थे। इसलिए शहर को जोड़ते 17 पुलों को पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर बंद कर दिया था। असहनीय थकान से चूर, गोद में बच्चा उठाए मांएं और वृद्ध की दृश्यावली है, जो यूपी पुलिस से उन्हें जाने देने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन उसने एक न सुनी। अब उनको 4 किमी. आगे जाकर बने 18वें और 19वें पुल तक और घिसटना पड़ा। पुलिस वालों का कहना था : ‘ऊपर से आदेश आया है।’ मौनी अमावस्या की भगदड़ से एक छोटा-मोटा राजनीतिक वाक युद्ध छिड़ गया, जिसमें अखिलेश यादव ने बदइंतजामी का आरोप जड़ा और कहा कि मौतों की बताई जा रही कम संख्या पर उन्हें विश्वास नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने ‘वीआईपी संस्कृति’ के बारे में शिकायत की है, जो आम लोगों के साथ भेदभाव करती है। निश्चित रूप से, अभी भी कई लोग लापता हैं। न्यायिक जांच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करेगी, लेकिन तथ्य यही रहेगा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के महासागर में हलचल मचाने को विपक्षी नेताओं की कही एक भी बात का बूंद बराबर भी असर नहीं है, क्योंकि उन्हें मौजूदा राजनीतिक स्थिति में गंभीर विकल्प के रूप में नहीं देखा जाता।

योगी के खिलाफ कोई भी गुस्सा, जैसा कि अब स्पष्ट है, केवल उन गुमनाम भक्तों की ओर से ही आएगा, जिन्हें लगता है कि बहुसंख्यक जनादेश से चुने मुख्यमंत्री ने उनका ख्याल रखने के लिए पर्याप्त नहीं किया। इसके अलावा, आलोचक यह भी कहेंगे कि यह गुस्सा राजनीतिक चुनौती में तब तक तबदील नहीं हो सकता जब तक कि किसी के द्वारा इसे दिशा नहीं दी जाती। यूपी में चाहे ऊपर देखें या नीचे- आज कोई एक ऐसा नेता नहीं है जिसके पास विश्वसनीयता, राजनीतिक कूवत या टिकने का वह माद्दा हो, जो भाजपा का सामना कर सके।

समावेशी आर्थिक नीतियों से समतामूलक विकास

सुरेश सेठ

ऑक्सफेम के अध्ययन के अनुसार, आर्थिक संपत्ति का अधिकतर हिस्सा कुछ हाथों में सिमटकर रह गया है, जबकि लाखों भारतीय आज भी रियायती गेहूं पर जीवन यापन कर रहे हैं। इस असमान वितरण के चलते भारत की आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है, विशेषकर जब नया बजट वंचित वर्ग के उत्थान पर केंद्रित है।

ऑक्सफेम इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के दौरान भारतीय संपत्ति और संसाधनों के दोहन पर केंद्रित रही। ऑक्सफेम के अनुसार, ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत की विशाल संपत्ति और संसाधनों का शोषण किया, जिसके कारण भारत के औद्योगिक और कृषि विकास की संभावनाओं पर प्रतिकूल असर पड़ा। कहा जाता है कि भारत से जो धन ब्रिटेन पहुंचा, यदि वह धन ब्रिटेन में बिछा दिया जाए, तो पूरा ब्रिटेन उससे ढक सकता है। अगर इन संसाधनों का भारत में उपयोग होता तो यह न केवल देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करता, बल्कि भारत समतावादी और समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर होता।

स्वतंत्र भारत की नीतियों से बुनियादी ढांचे का विकास और उदारीकरण से निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन मिला है। फलत: भारत ने आर्थिक दृष्टि से ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, केवल सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को आर्थिक विकास का सही मापदंड नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है कि इस संपत्ति का संचय किन हाथों में हो रहा है। ऑक्सफेम के अध्ययन के अनुसार, आर्थिक संपत्ति का अधिकतर हिस्सा कुछ हाथों में सिमटकर रह गया है, जबकि लाखों भारतीय आज भी रियायती गेहूं पर जीवन यापन कर रहे हैं। इस असमान वितरण के चलते भारत की आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है, विशेषकर जब नया बजट वंचित वर्ग के उत्थान पर केंद्रित है। यदि समृद्धि का एकत्रीकरण केवल कुछ वर्गों तक सीमित रहेगा, तो यह दीर्घकालिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के लिए चुनौती बन सकता है। भारत में उदारीकरण की शुरुआत 1991 में हुई, जब डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्तमंत्री के रूप में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने और कोटा-लाइसेंस राज को समाप्त करने का निर्णय लिया। इस नीति के तहत निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलने से देश ने तेज़ी से आर्थिक विकास की राह पकड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीनों पारियों में भारत ने दुनिया में सबसे तेज़ गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त किया। हालांकि, 2023 के अंत में विकास दर में थोड़ी गिरावट आई , फिर भी भारत की स्थिति स्थिर रही। जो इसके मजबूत बुनियादी ढांचे का परिणाम है। रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्रियों के अनुसार, यही स्थिरता भारत को अन्य देशों से पीछे नहीं पड़ने देती।

दुनिया में जहां एक ओर मुट्ठी भर अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ रही है, वहीं करोड़ों साधारण लोग रोटी-रोजी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऑक्सफेम के अनुसार, अरबपतियों की संपत्ति में 2023 के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई है, जो अब 15 हजार अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुकी है। यह संपत्ति अधिकतर उन हाथों में है जो वैश्विक आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। वहीं, गरीबों की स्थिति में 1990 से कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। अरबपतियों की संपत्ति उनकी मेहनत से ज्यादा, विरासत, एकाधिकार और कार्टेल की सांठगांठ से उत्पन्न हुई है। इसके विपरीत, गरीब और मेहनती लोग, जिनके पास रोजी-रोटी और आत्म-सम्मान की गारंटी नहीं है, उन्हें अपनी मेहनत का भी उचित फल नहीं मिल पाता।

ऑक्सफेम इंटरनेशनल के अमिताभ बेहार ने चिंता जताई है कि धनी वर्ग और अधिक समृद्ध हो रहा है, जबकि गरीबों की स्थिति और कमजोर हो रही है, जिसे वे आधुनिक उपनिवेशवाद मानते हैं। इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियां विश्व संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प रही हैं। अमेरिका में एक अरबपति राष्ट्रपति बने और सबसे अमीर व्यक्ति उनका शीर्ष सलाहकार पद संभाल रहा है, और मंत्रिमंडल में 13 अरबपति शामिल हैं। इससे साफ है कि भविष्य का बजट अमीरों की जरूरतों पर ज्यादा ध्यान देगा। भारत की स्थिति अलग है, जहां बड़ी आबादी, जिसमें गरीब, किसान, मजदूर और बेरोजगार युवा शामिल हैं, उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार उनकी समस्याओं की ओर ध्यान देगी। महंगाई, भ्रष्टाचार का खात्मा और रोजगार जैसी प्रमुख मांगें हैं, जिनका समाधान बजट में होना चाहिए। इसके अलावा, मौद्रिक नीति में भी बदलाव की जरूरत है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से महंगाई नियंत्रण पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, लेकिन अब इसे नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अमेरिका की बदलती नीतियों और चीन के बदलते दृष्टिकोण ने भारत की मौद्रिक संभावनाओं के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न की हैं, जिनका असर भारतीय शेयर बाजार और विदेशी पूंजी पर पड़ा है।

इस आर्थिक परिवर्तनों के कारण शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी पूंजी पलायन हुआ। ऐसे में, अब घरेलू निवेशकों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, ताकि वे आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करने के लिए निवेश करें। हालांकि, घरेलू निवेशकों का विश्वास भारतीय अर्थव्यवस्था में अभी भी बना हुआ है। भारत को अपनी नई आर्थिक नीति में इस विश्वास को संबल देने की कोशिश करनी चाहिए, न केवल बड़े निवेशकों, बल्कि छोटे और कुटीर उद्योगों के निवेशकों को भी इसका फायदा मिल सकेगा। स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समावेशी आर्थिक नीति की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

मेकअप के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

सर्दियों के मौसम की शुरुआत हो गई है। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे ये मौसम पसंद नहीं होगा। इस मौसम में लोग घूमने को निकलते हैं और इसी मौसम में सबसे ज्यादा शादियां होती हैं। ऐसे में इस मौसम में महिलाओं को मेकअप करने के काफी मौके आते हैं। इसी मौसम में चेहरे पर कई तरह के बदलाव होते हैं, जिसका असर मेकअप पर दिखने लगता है। दरअसल, सर्दियों के मौसम में अगर मेकअप करते वक्त थोड़ी सी भी लापरवाही कर दी गई तो चेहरे पर क्रेक दिखने लगते हैं। इसी वजह से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब दिखने लगता है। इसलिए सर्दियों में मेकअप करते वक्त कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। जिससे आपका चेहरा खूबसूरत बना रहेगा।

लिपस्टिक से पहले करें ये काम

सर्दियों के मौसम में अगर आप मैट लिपस्टिक लगाते हैं, तो आपके होंठ कुछ देर में ड्राई होने लगते हैं। ऐसे में लिपस्टिक के इस्तेमाल से पहले लिप बाम का इस्तेमाल जरूर करें। लिप कलर लगाने से पहले होंठों पर स्क्रब लगाकर एक्सफोलिएट कर लें। ताकि होंठ चिकने और मुलायम हो जाए। लिपस्टिक लगाने से पहले हमेशा फाउंडेशन लगाएं।

ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट का करें प्रयोग

सर्दियों के मौसम में हमेशा ग्लॉसी मेकअप प्रोडक्ट को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर आप मैट प्रोडक्ट का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी स्किन ड्राई दिखने लगेगी। चमकदार मेकअप उत्पादों का त्वचा पर हल्का और हल्का चमकीला प्रभाव होता है और इन्हें फाउंडेशन के साथ या उसके बिना भी पहना जा सकता है। चमकदार गालों की खूबसूरती यह है कि वे ऊंचे गालों का भ्रम पैदा करके आपके चेहरे को परिभाषित करते हैं।

लिक्विड इल्युमिनेटर को न भूलें

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए सर्दियों के मौसम में भी लिक्विड इल्युमिनेटर का इस्तेमाल करना ना भूलें। आप चाहें तो फाउंडेशन में लिक्विड इल्युमिनेटर मिलाकर लगा सकते हैं, इससे चेहरा ग्लो करेगा और त्वचा मुलायम रहेगी। इल्युमिनेटर क्रीम हाइलाइटर पाउडर, क्रीम और लोशन तीनों फॉर्म में आपको मिल जाता है। इल्युमिनेटर क्रीम त्वचा में एब्जॉर्ब होने के बाद उसे चमत्कार बनाती है, वहीं हाइलाइटर त्वचा के ऊपर एक परत की तरह चिपक जाता है।

जरूर करें मसाज

सर्दियों के मौसम में अपने चेहरे पर मेकअप करने से पहले मसाज जरूर करें। इससे आपके चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन सही हो जाएगा। मसाज करने के लिए उंगलियों की मदद से चेहरे पर करीब 2 मिनट तक हल्के हाथ से मसाज करें। इसके बाद आपकी त्वचा मुलायम हो जाएगी। अपने चेहरे की मालिश करने से त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद मिलती है, जो एक स्वस्थ, चमकदार रंगत को बढ़ावा दे सकता है। बेहतर रक्त प्रवाह विषाक्त पदार्थों को हटाते हुए त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक उज्ज्वल और अधिक युवा उपस्थिति होती है। चेहरे की मालिश चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने और तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। चेहरे की मालिश चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने और तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। यह आत्म-देखभाल और आरम देने में भी मदद कर सकता है, तनाव को कम कर सकता है और आपके शरीर को भी अच्छा महसूस कराने में मदद करता है। उत्पाद अवशोषण में वृद्धि स्किनकेयर उत्पादों को लगाने से पहले अपने चेहरे की मालिश करना उनके अवशोषण को बढ़ा सकता है।

हंसना मना है

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब..मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताएं? डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से-बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा-मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिए! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

पापाः नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटाः मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

कहानी — खुशबू की कीमत

एक भिखारी नंदा नगरी में खाने के लिए मांग रहा था। एक व्यक्ति कुछ रोटियां देता है। अब भिखारी सब्जी की तलाश में एक पंडाल में पहुंचता है। वहां भिखारी पंडाल के मालिक से सब्जी मांगता है। मालिक उसे भगा देता है। दुखी भिखारी किसी तरह मालिक की नजरों से बचते हुए पंडाल की रसोई में पहुंच जाता है। वहां उसे कई तरह की लजीज सब्जियां दिखती हैं। गर्म-गर्म सब्जियों से भाप निकल रही थी। भिखारी के मन में हुआ कि अगर रोटियों को इस भाप के ऊपर रख दिया जाए, तो सब्जी की खुशबू उनमें मिल जाएगी। और सब्जी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। भिखारी रोटी पर सब्जी डालने की जगह, उन्हें सब्जी से निकलने वाले भाप के ऊपर रख देता है। तभी पंडाल का मालिक भिखारी को सब्जी चोरी करने के लिए पकड़ लेता है। भिखारी उससे कहता है कि मैंने सब्जी नहीं चुराई है। मैं सिर्फ सब्जी की खुशबू ले रहा था। मालिक कहता है कि अगर सिर्फ खुशबू ली है, तो उसकी भी कीमत चुकानी होगी। भिखारी कहता है, मालिक मेरे पास कुछ भी नहीं है, मैं कैसे कीमत चूकाऊं। मालिक उसे मुल्ला नसरुद्दीन के दरबार ले जाता है। नसरुद्दीन मालिक और भिखारी की बातों को सुनते हैं। मुल्ला कुछ देर सोचकर पंडाल मालिक से कहते हैं कि तुम्हें अपनी सब्जी की खुशबू के बदले पैसे चाहिए। जी हां। फिर मुल्ला मालिक से कहते हैं, तुम्हारी सब्जी की खुशबू की कीमत मैं स्वयं दूंगा। मालिक खुश हो जाता है। फिर नसरुद्दीन उसे बताते हैं, देखो, मैं तुम्हारी सब्जी की खुशबू की कीमत सिक्कों की खनक से अदा करूंगा। मुल्ला अपनी जेब से कुछ सिक्के निकालते हैं और उन्हें खनखनाने लगते हैं। फिर उन सिक्कों को दोबारा जेब में डाल लेते हैं। यह सब देखकर पंडाल मालिक हैरान हो जाता है। वह मुल्ला से कहता है कि यह उन्होंने कैसी कीमत अदा की है। जवाब में मुल्ला कहते हैं, तुम्हारी सब्जी की खुशबू इस भिखारी ने ली थी। इसी वजह से मैंने तुम्हें सिक्कों की खनक सुनाई है। अगर भिखारी ने सब्जी ली होती, तो तुम्हें सिक्के जरूर मिलते। मुल्ला का जवाब सुनकर पंडाल मालिक वहां से चला जाता है। भिखारी भी खुशी-खुशी अपने रास्ते निकल जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें।

तुला — दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृषभ — आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक — नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं। अच्छे मित्र से भेंट होगी।

मिथुन — धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा।

धनु — कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा।

कर्क — पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। व्यापार में हानि हो सकती है।

मकर — संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह — अप्रत्याशित लाभ होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

कुम्भ — लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या — पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अत: सावधान रहें। फालतू खर्च होगा।

मीन — प्रसन्नता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है।

बॉलीवुड मसाला

जल्द ही परवीन बॉबी के किरदार में नजर आयेंगी तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी शूटिंग में अभिनेत्री व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। ऐसा लगता है कि तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबर है कि तृप्ति डिमरी को एक बायोपिक ओटीटी सीरीज में दिवंगत परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, तृप्ति को एक बायोग्राफिकल सीरीज में दिग्गज अभिनेत्री परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस नेटफ्लिक्स सीरीज का निर्माण जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिसमें द स्काई इज पिंक की निर्देशक शोनाली बोस इस प्रोजेक्ट का निर्देशन करेंगी। एक सूत्र ने बताया कि तृप्ति की तारीखें तय हो गई हैं। निर्देशक शोनाली बोस और उनकी टीम इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

ओटीटी पर मचाएंगी धमाल

2024 में लगातार दो फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद प्रशंसक तृप्ति को इस प्रतिष्ठित भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। तृप्ति डिमरी के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इससे पहले बुलबुल और कला जैसी नेटफ्लिक्स फिल्मों में अभिनय कर चुकीं तृप्ति डिमरी को इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल होना एक बेहतरीन अगला कदम लगता है। इस बायोपिक के अलावा तृप्ति डिमरी विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म का भी हिस्सा हैं, जिसमें वह शाहिद कपूर के साथ अभिनय करेंगी। अभी तक अनाम यह फिल्म 6 जनवरी, 2025 को फ्लोर पर आई थी और इसे साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रस्तुत किया गया है। 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज होने वाली इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी हैं।

अभिनेत्री से राइटर बनीं हुमा कुरैशी

अभिनय की दुनिया में अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद हुमा कुरैशी ने अब लेखन की दुनिया में कदम रखा है। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली किताब जेबा: एन एक्सीडेंटल सुपरहीरो लॉन्च की है। हुमा ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में यह किताब रविवार को लॉन्च की। इस दौरान अभिनेत्री ने बतौर लेखक अपनी यात्रा पर भी बात की।

हुमा कुरैशी ने अपनी किताब लिखने की यात्रा को लेकर कहा कि शुरुआती योजना कहानी को फिल्म में बदलने की थी, लेकिन कोविड-19 महामारी ने उन योजनाओं को रोक दिया। हुमा ने कहा, मैंने 2019 में किताब लिखना शुरू किया था। 10-20 पेज लिखने के बाद मैंने इसे कुछ लोगों को दिखाया और सभी ने कहा कि यह एक अच्छा आइडिया है। ईमानदारी से कहूं तो जब मैंने इसे लिखना शुरू किया था, तो मेरा आइडिया इस पर एक फिल्म या कोई टेलीविजन शो बनाने का था, इसलिए मैंने उसी तरह से यह काम किया। फिर कोविड महामारी आ गई, इसलिए जो भी योजनाएं थीं, वे सब ठप हो गईं।

हुमा ने आगे कहा, फिर मैंने सोचना शुरू किया कि क्या मुझे इस पर एक स्क्रिप्ट लिखनी चाहिए या इसे एक ग्रॉफिक उपन्यास में बदलना चाहिए। मैंने इसे खुद लिखने के लिए काफी देरी की। मैंने कई लोगों से लिखने के लिए कहा, लेकिन वे सभी वापस आए और कहा कि आपको इसे लिखना होगा, क्योंकि केवल आप ही इसे लिख सकती हैं। और फिर मुझे लगभग दो साल लग गए और जो कुछ भी मैंने उस समय महसूस किया, मैं उसे किताब में बहुत ईमानदारी से पिरो पाई हूं। दो चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं हुमा कुरैशी ने राइटिंग को एक दिलचस्प अनुभव बताया। हुमा ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक भावनात्मक प्रक्रिया थी। हुमा ने आगे कहा, मैं यह सलाह देती हूं कि अगर कोई किसी भी तरह की चिंता से जूझ रहा है, उसे लिखना चाहिए। यह किसी भी बात को पन्नों पर उतारने का एक शानदार तरीका है।

बॉलीवुड मन की बात

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने तरक्की की है लेकिन अभी और दूर जाना है : अनुराग

अनुराग बसु हाल ही में बॉलीवुड फिल्मों के ग्लोबल ऑडियंस की कमी पर बात करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने हिंदी फिल्मों की तुलना कोरियाई फिल्म इंडस्ट्री से की। अनुराग बसु ने कहा कि इस मामले में भारतीय सिनेमा को अभी लंबा रास्ता तय करना है। अनुराग बसु फिलहाल फिल्म आशिकी 3 के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। उन्होंने वैश्विक सिनेमाई परिदृश्य में बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति पर बात की। अनुराग बसु ने कहा, ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ऑल वी इमेजिन एज लाइट और अनुजा जैसी फिल्मों के लिए खूब तारीफ मिलने के बावजूद लगता है कि अभी ग्लोबल स्टेज पर बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। मुझे लगता है कि मुख्यधारा का भारतीय सिनेमा मुख्य रूप से भारतीय प्रवासियों और दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इंडस्ट्री ने तरक्की की है, लेकिन अभी और दूर जाना है। अनुराग बसु ने कहा, मुझे लगता है कि वर्ल्ड सिनेमा हमारी फिल्मों पर ध्यान दे रहा है। लेकिन यह भी लगता है कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है, क्योंकि मुख्यधारा का सिनेमा अभी भी भारतीय प्रवासियों और भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखता है। हम अभी भी वैश्विक दर्शक पाने में बहुत पीछे हैं। हमें वैश्विक स्तर पर केवल भारतीय दर्शक मिलते हैं। इस मामले में भी आगे बढ़ना है। इस दौरान उन्होंने कोरियन इंडस्ट्री से भारतीय इंडस्ट्री की तुलना भी की। अनुराग बसु ने कहा, हम केवल भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखते हैं। हम कोरियाई फिल्म उद्योग जितने ही युवा हैं, लेकिन उनके पास वैश्विक दर्शक हैं। लोग उनकी फिल्में देखते हैं, हम उनकी फिल्में देखते हैं। हमारी फिल्में केवल भारतीय ही देखते हैं।

सूर्य की रोशनी सफेद, तो क्यों नीला है आसमान, शायद ही जानते होंगे जवाब!

हमारे आसपास ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं, जिनका सीधा जवाब विज्ञान के पास तो है लेकिन हम ही कई बार इसे याद नहीं रख पाते हैं। ऐसे में चलते-फिरते कभी ये दिमाग में आए, तो हमें जवाब सोचना पड़ जाता है या फिर हाथ में रखे मोबाइल से गूगल सर्च करने लगते हैं। एक ऐसा ही सवाल है कि आसमान का रंग नीला क्यों है? बहुत से सवाल हैं, जो हमारे मन में कभी आते भी नहीं क्योंकि हम इन्हें ऐसा का ऐसा ही देखते आए हैं। एक ऐसा ही सवाल ये है कि हमें आसमान नीला क्यों दिखता है? सूरज की किरणें सफेद होती हैं, बादल भी सफेद होते हैं, फिर आसमान का रंग नीला क्यों है? हम धरती से जब भी खुले आसमान की ओर देखते हैं, इसका रंग नीला दिखाई देता है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये नीला रंग आखिर आता कहां से है। सूरज की किरणें सफेद हैं और अंतरिक्ष गहरा, फिर आसमान भला नीला क्यों? इस सवाल का जवाब विज्ञान में छिपा हुआ है। पृथ्वी का वायुमंडल कई तरह की गैसों का मिश्रण होता है। कोरा पर जब किसी ने इस सवाल को पूछा तो ज्यादातर यूज़र्स ने इसी थ्योरी को दोहराया है कि धरती पर आने वाला सूर्य का प्रकाश इस वायुमंडल से होकर ही धरती तक पहुंचता है। सूर्य की प्रकाश सफेद रंग का होता है और इसमें सात रंग समाहित होते हैं- लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी और बैंगनी। इन्हें हम प्रिज्म के सहारे या फिर इंद्रधनुष में देख पाते हैं। जब सूर्य का प्रकाश फैलता है तो किरणों के साथ ये रंग अलग-अलग वेवलेंथ में फैलते हैं। लाल रंग की वेवलेंथ जहां सबसे ज्यादा होती है, वहीं नीले और बैंगनी रंग की वेवलेंथ छोटी होती है ऐसे में सूर्य के चढ़ने के साथ-साथ बैंगनी और नीला रंग फैलता चला जाता है और लाल रंग लगभग गुम सा हो जाता है। प्रकाश के फैलने और सूर्य की किरणों के सात रंगों की वजह से ही आसमान का नीला दिखाई देता है वरना अपने आपमें आसमान का कोई रंग होता ही नहीं है। वैसे तो बैंगनी रंग भी आसमान में फैला होता है लेकिन हमारी आंखें बैंगनी के बजाय नीले रंग को जल्दी देख पाती हैं, इसलिए हम इसे ही देख पाते हैं।

अजब-गजब — यहां सदियों से चली आ रही है यह परंपरा

भूत की पूजा के बाद ही इस गांव में शुरू होती हैं शादी की दूसरी रस्में

झारखंड की राजधानी रांची से करीब 50 किमी. की दूरी पर स्थित एक गांव जिसका नाम है भूत गांव है। यहां पर आदिवासी समुदाय के लोग ही रहते हैं। इस गांव में हर घर के सामने आपको कब्र मिलेगी। ये कब्रें उनके पूर्वजों की हैं, जिसे ये लोग भूत बोलते हैं।

यहां के आदिवासी पूर्वजों का बहुत मान-सम्मान और पूजा करते हैं। दिन की शुरुआत पूर्वजों की पूजा से होती है। गांव के मुखिया मनीष बताते हैं कि यह पूर्वजों का आशीर्वाद है कि यह गांव सुरक्षित है। हम लोग खुशहाल जीवन जी रहे हैं। यहां पूर्वज को भगवान समान माना जाता है। यहां की भाषा में उनको भूत कहा जाता है। हालांकि, डरने की जरूरत नहीं बल्कि, यह भूत आशीर्वाद देते हैं। यही कारण है कि इस गांव में जब शादी होती है तो सबसे पहले भूत की पूजा होती है, यानी कब्र की पूजा की जाती है।

पूर्वजों का आशीर्वाद लिया जाता है। इसके बाद ही शादी की कोई रस्म शुरू की जाती है। मान्यता है कि इस गांव में भूतों के आशीर्वाद के बिना कोई शुभ कार्य नहीं होता।

गांव में ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। आज भी हम पूरी श्रद्धा के साथ इस परंपरा का पालन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि पूर्वज खुश होंगे तभी सुख समृद्धि आएगी। शादी के बाद जब दुल्हन घर आती है तो सबसे पहले वह कब्र की पूजा करती है। उसके बाद ही किसी और चीज की पूजा और रस्म होती है। पूर्वजों की पूजा के कारण ही यहां हर घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली का माहौल है। कई बार लोग गांव के नाम से डर जाते हैं, लेकिन जब लोगों को सच्चाई पता चलती है तो उनका डरना बंद हो जाता है।

कुंभ में मप्र के मरने वालों का सरकार करे खुलासा : पटवारी

» पीसीसी चीफ बोले- मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों के लोग हादसे में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में अव्यवस्थाओं और लचर कानून व्यवस्था के चलते सरकार की लापरवाही से मची भगदड़ से सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों लोग घायल हुए हैं, लेकिन सरकार इस हादसे से पल्ला झाड़ने के लिए महज 30 लोगों की मौत बता रही है, सरकार सच्चाई पर पर्दा डालकर इस वीभत्स हादसे पर लीपापोती करने में लगी हुई है। पटवारी ने कुंभ मेले में मध्यप्रदेश के लोगों की हुई मौतों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकार मौतों का आंकड़ा क्यों छुपा रहीं है।

कुंभ मेले में कितने लोग मध्यप्रदेश के मरे हैं, सरकार को इसका खुलासा करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि जानकारी के मुताबिक प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। प्रशासन का कहना है कि अखाड़ा मार्ग में भी? बढ़ने के कारण यह हादसा हुआ। इससे वहां आसपास नीचे सोए श्रद्धालुओं पर अन्य लोग चढ़ गए। उन्होंने कहा कि जब यह हादसा हुआ तक इतने बड़े आयोजन में व्यवस्थाओं के नाम पर 8 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च की गई, जिसमें ढाई हजार कैमरे, एआई इंटेलीजेंस और पुलिस प्रशासन का खुफिया तंत्र कहां सोया हुआ था? मौत का आंकड़ा बताने में भी सरकार को एक दिन से ज्यादा का समय लग गया। पटवारी ने कहा कि मप्र के विदिशा, ग्वालियर, नर्मदापुरम, रायसेन सहित अलग-अलग जिलों के लोग इस हादसे में शामिल हैं। इतना ही नहीं नर्मदापुरम के एक परिजन को अपने भाई का शव लाने के लिए सरकार ने कोई मदद नहीं की और उसे 40 हजार रूपये लगाकर शव को अपने घर लाना पड़ा। पटवारी ने कहा कि मप्र सरकार खुलासा करे कि कुंभ मेले में मध्यप्रदेश के कितने लोग हादसे का शिकार हुये, कितने लोग मरे और कितने अभी भी लापता है।

विस में सरकार मुद्दे सुनती तो है, लेकिन कार्रवाई नहीं करती : सिंगार

मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधान सभा में उठे सवालों पर कर्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। उन्हो ने कहा है कि विधानसभा एक ऐसा मंच है, जहां से आम जनता की आवाज सरकार तक पहुंचती है लेकिन अक्सर देखा जाता है कि विधानसभा में सरकार मुद्दों को सुनती तो है, लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं करती। उन्होंने स्कूली छात्रों को मिलने वाले स्कूटी और लैपटॉप पर भी सवाल खडे किए हैं। उमंग सिंघार ने कहा कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए सरकार को तत्काल इनका वितरण कराना चाहिए। नेता प्रतिपक्षने कहा की सरकार को जगाने के लिए मैंने 2 स्कूटी दी हैं, बाकी विधायक भी सांकेतिक तौर पर ऐसा करेंगे। सिंघार ने कहा कि लैपटॉप स्कूटी योजना पहले से चल रही थी। इन्होंने चुनाव में भी वादा किया था। फिर सरकार स्कूटी लैपटॉप मेधावी छात्रों को क्यों नहीं देना चाह रही। उन्होंने कहा कि बच्चों का सत्र भी अब खत्म होने को आया है, अगर सरकार के पास पैसा है तो क्यों नहीं देना चाहती ? सरकार कुम्भकर्ण की तरह सोती है, विपक्ष जब जगाता है, तब ही जागती है।

फडणवीस वर्षा बंगले में जाने से क्यों डर रहे : राउत

» बोले- अब तक एकनाथ शिंदे ने आवास नहीं किया खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूछा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस सीएम के आधिकारिक निवास वर्षा में क्यों नहीं जा रहे हैं, और आरोप लगाया कि वर्षा को ध्वस्त करने और वहां एक नया बंगला बनाने की साजिश है। राज्य विधानसभा चुनाव नतीजों के दो महीने बाद भी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अभी तक वर्षा को खाली नहीं किया है, जबकि फड़णवीस अभी भी अपने पुराने निवास सागर में रह रहे हैं। राउत ने कहा कि वर्षा बंगले पर ऐसा क्या हुआ है कि फडणवीस वहां जाने से डर रहे हैं? यह महाराष्ट्र के लोगों के लिए चिंता और शोध का विषय है। उन्होंने कहा कि जब फडणवीस वहां जाएंगे तो नींबू और मिर्ची मिलेगी।

सूत्रों ने कहा कि शिंदे सेना के कई मंत्री भी नाराज हैं कि उन्हें फ्लैट दिए गए हैं, हालांकि कुछ सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को बंगले मिले हैं। पिछले महीने, राज्य ने भाजपा मंत्री आशीष शेलार को मालाबार हिल में एक प्रमुख और मांग वाला बीएमसी हाइड्रोलिक इंजीनियर का बंगला आवंटित किया था। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने राउत पर पलटवार करते हुए कहा कि संजय राउत हर सुबह बंडलबाजी करते हैं, झूठ बोलते हैं, इसलिए मैं उन्हें महा-बंडलेश्वर का नाम दे रहा हूं। उन्हें प्रयागराज में डुबकी लगानी चाहिए। उन्होंने उद्धव ठाकरे का करियर खत्म कर दिया है। देवेंद्र फड़नवीस बैठक में नहीं गए क्योंकि उनकी कहीं और जरूरत थी। वह वैसे भी हर जिले का दौरा कर रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी : मुंबई टीम से खेलेंगे सूर्यकुमार और दुबे

» हरियाणा से रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे को हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए मुंबई की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मुंबई और हरियाणा के बीच आठ फरवरी से मुकाबला होना है। सूर्यकुमार और दुबे हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे जिसे भारत ने 4-1 से अपने नाम किया।

मुंबई ने मेघालय को पारी और 456 रनों से हराकर रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। एलीट ग्रूप-ए से नॉकआउट में जगह बनाने वाली जम्मू-कश्मीर दूसरी टीम है। पिछले साल अक्तूबर में महाराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले के लिए सूर्यकुमार मुंबई टीम का हिस्सा थे। वहीं, दुबे जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेले गए उस मैच का हिस्सा थे जिसमें भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा तथा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल थे। मुंबई की टीम यह मैच हार गई थी। मुंबई की टीम हरियाणा के खिलाफ अपना क्वार्टर फाइनल मैच रोहतक के लाहली स्थित चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। हरियाणा ग्रूप सी में शीर्ष पर रहा था। सूर्यकुमार इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था, लेकिन बल्लेबाजी में वह प्रभावित नहीं कर सके थे। पांच मैचों में उन्होंने 5.60 के औसत से 28 रन बनाए। सूर्यकुमार इस दौरान दो मैचों में खाता भी नहीं खोल सके थे।

वनडे में सचिन के 19 साल पुराने रिकॉर्ड पर कोहली की रहेगी नजर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर सकते हैं। 36 वर्षीय इस बल्लेबाज के पास सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने का मौका रहेगा। भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 2006 में 350वीं वनडे पारी में यह उपलब्धि अपने नाम की थी। उस वक्त सचिन ने पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी, लेकिन टीम को डकवर्थ लुईस नियम के तहत हार का सामना करना पड़ा था। कोहली के फिलहाल 283 वनडे पारियों में 58.18 के औसत और 93.54 के स्ट्राइक रेट से 13906 रन हैं, जिसमें 50 शतक और 72 अर्धशतक शामिल हैं। यानी कोहली सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने से 94 रन दूर हैं। पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोहली ने तीन मैचों में 19.33 के औसत से 58 रन बनाए थे। उस सीरीज में कोहली के बल्ले से 24, 14 और 20 रन की पारियां निकली थीं। वनडे विश्व कप 2023 फाइनल के बाद से कोहली ने तीन वनडे मुकाबले खेले हैं।

डबल इंजन सरकार नहीं धोखा है : सस्मित

» राज्यसभा सांसद ने बजट में ओडिशा राज्य की अनदेखी पर उठाये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजू जनता दल के नेता और राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा ने आम बजट में ओडिशा को कुछ खास सौगातें नहीं मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस बजट में ओडिशा को कुछ भी नहीं मिला है, बल्कि बिहार को मालामाल किया गया है। साथ ही अन्य राज्यों को भी सौगातें मिलीं। उन्होंने कहा कि यह डबल इंजन की सरकार नहीं, डबल धोखे की सरकार है। ओडिशा के लोगों को बजट में धोखा मिला है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि सोमवार को ओडिशा के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव ने अपने विचार व्यक्त किए। उनकी बातों से एक बात स्पष्ट है कि ओडिशा को कुछ खास नहीं मिला है।

हमारा एक सवाल धर्मेंद्र प्रधान से है कि वह कहते हैं कि ओडिशा को बहुत कुछ मिला है। ऐसा कौन सा विषय है, जो ओडिशा को मिला और दूसरे राज्यों को नहीं? जो केरल को मिला है, वही ओडिशा को मिला है, जो पश्चिम बंगाल को मिला है, वही ओडिशा को मिला है, इसका मतलब है कि जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां जो मिला, वही ओडिशा को भी मिला है। ओडिशा को डबल इंजन की सरकार का फायदा नहीं मिला है। तो यह कहना कि ओडिशा को बहुत कुछ मिला है, सही नहीं है। इस बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला है, हम सबने देखा है। कोसी नदी पर नहर का विस्तार, नया हवाई अड्डा, मखाना बोर्ड, असम को उर्वरक कारखाना, लेकिन ओडिशा को कुछ नहीं मिला। यही वास्तविकता है। हमारा सवाल अश्विनी वैष्णव से है कि हम बार-बार कहते आए हैं और हमारे नेता नवीन पटनायक भी कहते रहे हैं कि ओडिशा में तीन रेलवे डिवीजन की बजाय और एक डिवीजन बनाया जाए।

भाजपा को मेनिफेस्टो याद दिलाया

सांसद के मुताबिक यह डबल इंजन की सरकार नहीं, बल्कि डबल धोखे की सरकार है और ओडिशा के लोगों के साथ धोखा हुआ है। जो वादे किए गए थे कि सरकार में आने परओडिशा को विशेष श्रेणी का दर्जा मिलेगा, आज आप चुप हैं। उन्होंने कहा, हम आपको 2014 का मेनिफेस्टो याद दिलाना चाहते हैं, जहां आपने कहा था कि डबल इंजन की सरकार बनने पर विशेष श्रेणी का दर्जा मिलेगा। हमारे नेता नवीन पटनायक ने बार-बार कहा, लेकिन आपने नहीं सुना। आपकी आज की चुप्पी विशेष श्रेणी के दर्जे की अनदेखी को दर्शाती है कि इस बजट में ओडिशा को कुछ नहीं मिला है, सिर्फ धोखा।

महाकुंभ मामले में छह को प्रदर्शन करेगी आजाद अधिकार सेना

» राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज बताया कि उनकी पार्टी महाकुंभ मामले में सामने आए विभिन्न गंभीर प्रकरणों के संदर्भ में 6 फरवरी को प्रत्येक जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि विगत दिनों घटित भगदड़ की घटनाओं में तमाम लोगों की मौत होने और आहत होने के तथ्य सामने आए हैं। इसके विपरीत प्रशासन मात्र 30 व्यक्तियों के मृत्यु की बात स्वीकार कर रहा है और तमाम घटनाओं को सिरे से नकार रहा है।

अमिताभ ने कहा कि प्रशासन के इस रवैये के कारण भारी असमंजस और भ्रम की स्थिति बनी हुई है तथा इससे हताहत लोगों के परिवार वाले को भारी क्षति पहुंच रही है। पार्टी विरोध प्रदर्शन कर सरकार से हताहतों की सही संख्या सामने रखने, प्रत्येक हताहत व्यक्ति को समुचित शासकीय सहायता दिए जाने तथा अब तक पुलिस अफसरों के अनुचित कार्यों के संबंध में उनका उत्तरदायित्व नियत किए जाने हेतु प्रत्यावेदन देगी।

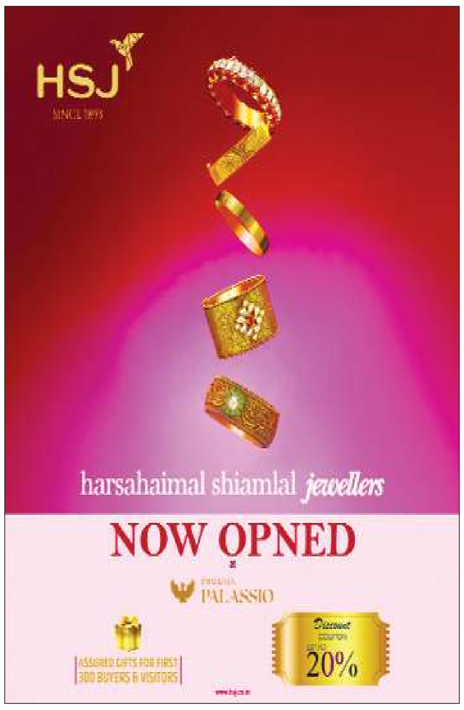

वंचितों की भागीदारी सुनिश्चित करे सरकार : राहुल

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में चर्चा, नेता प्रतिपक्ष का मोदी सरकार पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र चल रहा है। शनिवार को देश का बजट पेश किया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत हुई। चर्चा में राहुल गांधी ने सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित कर और इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आईए) से जुड़ी आधुनिक युग की क्रांति में भाग लेकर चीन को पछाड़ा जा सकता है।

उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' को लेकर प्रयास जरूर किया, लेकिन यह विचार विफल रहा क्योंकि विनिर्माण दर घट गई। उन्होंने कहा कि देश बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं कर पाया है और इस बारे में युवाओं कोई स्पष्ट जवाब देने में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दोनों की सरकारें विफल रही हैं।

वहीं, राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी मोदी सरकार पर तंज कसा। इस दौरान विपक्ष की ओर से आरोप लगाया जा रहा था कि सरकार ने मरने वालों के आंकड़े छुपाए हैं। हालांकि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकड़ और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लगातार विपक्ष से सदन को चलने देने की अपील की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच की कुछ महीनों की अवधि में ही राज्य में हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर मतदाताओं की संख्या बढ़ गई और ऐसे में निर्वाचन आयोग को प्रदेश के विपक्षी दलों को मतदाता सूची से जुड़े आंकड़े उपलब्ध कराने चाहिए।

अमृत काल है या विषकाल : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा में सरकार पर तीखा हमला बोला और सवाल किया कि यह अमृत काल है या विष काल? राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि सरकार 'सबके विकास' की बात करती है लेकिन वह सिर्फ चंद उद्योगपतियों, अमीरों और अपने कुछ दोस्तों का ही विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण किसान और बेरोजगार आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहे हैं।

चीन हमारे क्षेत्र के 4000 वर्ग किमी पर बैठा

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने कहा कि विनिर्माण का काम चीन की कंपनियों को दे दिया गया है। राहुल गांधी ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा, ''यह मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि 'असेंबल्ड इन इंडिया' है।'' भारत की रक्षा तैयारियों पर चिंताओं को उजागर करते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि संघर्ष की स्थिति में, देश चीनी निर्मित घटकों पर निर्भर रहेगा। राहुल गांधी ने कहा कि चीन भारत के अंदर बैठा है क्योंकि मेक इन इंडिया पहल विफल हो गई है। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसका खंडन किया है और सेना ने प्रधानमंत्री का खंडन किया है कि चीन हमारे क्षेत्र के 4000 वर्ग किमी पर बैठा है। राहुल जब बोल रहे थे तो केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बीच में टोकते हुए कहा कि सदन में मनचाही बात नहीं बोल सकते हैं। ये गंभीर मामला है।

राष्ट्रपति पद का सम्मान करना सीखे कांग्रेस : रविशंकर

भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की एक हालिया टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करना कांग्रेस की परंपरा तथा उनके 'राजनीतिक डीएनए' में है। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी द्वारा लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए यह भी कहा कि संविधान बचाने की बात करने वालों को पहले राष्ट्रपति पद का सम्मान करना सीखना चाहिए।

राहुल जिनपिंग ने 45 मिनट की स्पीच में 34 बार चीन का नाम लिया : पात्रा

भाजपा ने एक बार फिर से राहुल पर वार किया है। भाजपा नेता विनोद तावड़े ने एक्स पर लिखा कि 45 मिनट की स्पीच में 34 बार चीन का नाम! राहुल जी का चीन से ये रिश्ता क्या कहलाता है? बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी को जिनपिंग बता दिया। संबित पात्रा ने कहा कि मेरा मन उन्हें राहुल जिनपिंग कहकर संबोधित करने का करता है। उन्होंने 34 बार चीन का नाम लिया। वह प्रार्थना कर रहे होंगे कि अगले जन्म में वह चीनी बनें। राहुल गांधी ने कहा कि चीन में मैन्युफैक्चरिंग ज्यादा है और भारत पिछड़ रहा है। 2004-14 तक भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा 25 गुना अधिक था। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेक्टर में सिर्फ 1-2 कंपनियों को तवज्जो दी जा रही है और गरीब लोगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। कांग्रेस यूपीआई सिस्टम के खिलाफ थी। आज यूपीआई के जरिए 50 करोड़ ट्रांजैक्शन हो रहे हैं।

केंद्र व असम सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

शीर्ष अदालत ने की सख्त टिप्पणी, कहा- लोगों को हमेशा के लिए हिरासत केंद्रों में नहीं रख सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित नहीं करने और उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत केंद्रों में रखने के लिए मंगलवार को असम सरकार और केंद्र को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने असम सरकार से पूछा कि क्या वह किसी मुहूर्त (शुभ समय) का इंतजार कर रही है और उसे 2 सप्ताह के भीतर हिरासत केंद्रों में रखे गए 63 लोगों का निर्वासन शुरू करने का निर्देश दिया।

डिटेंशन कैंपों में अनिश्चितकालीन हिरासत बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को अनिश्चित काल तक हिरासत केंद्रों में नहीं रखा जा सकता। सुनवाई के दौरान, असम सरकार ने दलील दी कि निर्वासन संभव नहीं है क्योंकि अवैध अप्रवासियों के मूल देश के पते ज्ञात नहीं हैं। इस पर शीर्ष अदालत ने केंद्र और असम से उन लोगों के लिए निर्वासन नीति बताने को कहा जिनकी मूल राष्ट्रीयता ज्ञात नहीं है। अदालत ने केंद्र को अवैध विदेशी के रूप में निर्वासित लोगों और हिरासत केंद्रों में रखे गए लोगों की संख्या पर डेटा प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। इसने केंद्र और असम से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि हिरासत केंद्रों में रहने वालों को उचित सुविधाएं दी जाएं। शीर्ष अदालत ने असम को हर 15 दिनों में राज्य में हिरासत केंद्रों का दौरा करने के लिए अधिकारियों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत इस मामले की सुनवाई 25 फरवरी को करेगी।

मस्जिद या दरगाह की एक इंच जमीन नहीं छोड़ेंगे : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम नेता और हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार को चेतावनी दी है कि वक्फ संशोधन विधेयक को मौजूदा स्वरूप में लागू करने से सामाजिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। अपनी चिंताओं पर जोर देते हुए, ओवैसी ने सरकार को विधेयक पर आगे बढ़ने के प्रति आगाह किया।

वक्फ संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति ने 14-11 वोटिंग से मंजूरी दे दी है और जल्द ही इसे संसद में पेश किए जाने की संभावना है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस में हिस्सा लेते हुए औवेसी ने कहा कि मैं इस सरकार को सावधान कर रहा हूं और चेतावनी दे रहा हूं- अगर आप वर्तमान स्वरूप में वक्फ कानून लाते हैं और बनाते हैं, जो अनुच्छेद 25, 26 और 14 का उल्लंघन होगा, तो इससे इस देश में सामाजिक अस्थिरता पैदा होगी। इसे पूरे मुस्लिम समुदाय ने खारिज कर दिया है।

फोटो : 4 पीएम

विरोध एलएसए कंपनी को सफाई का टेंडर देने के विरोध में मंगलवर को भाजपा, सपा और कांग्रेस के पार्षद डटे रहे। इस मामले में महापौर और नगर निगम अधिकारियों के बीच बैठक असफल रही है। हालांकि पार्षदों का भारी विरोध देख महापौर ने कहा कि पार्षदों के यहां जैसे शादी समारोह हो या किसी भी तरह के समारोह होते है उनके वार्डो में उसके लिए अलग से सफाई कर्मचारी दिए जाएंगे।

जया बच्चन को गिरफ्तार किया जाए : विहिप

सपा सांसद के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने महाकुंभ में भगदड़ के बाद 30 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत के बाद प्रयागराज में गंगा नदी में शव वाली टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी सांसद जया बच्चन की गिरफ्तारी की मांग की है। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा कि झूठे और असत्य बयान देकर सनसनी फैलाने के आरोप में जया बच्चन को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ आस्था और भक्ति की रीढ़ है जहां व्यक्ति को धर्म, कर्म और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस महान अनुष्ठान से करोड़ों भक्तों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। इससे पहले समाजवादी पार्टी सांसद और राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने महाकुंभ मेले की आलोचना करते हुए दावा किया कि गंगा का पानी अत्यधिक प्रदूषित है। संसदीय सत्र के दौरान बोलते हुए, जया बच्चन ने टिप्पणी की कि इस समय पानी सबसे अधिक प्रदूषित कहां है? यह कुंभ में है। उन्होंने दावा किया कि भगदड़ में मरने वालों के शव नदी में फेंक दिए गए हैं, जिसके कारण पानी दूषित हो गया है। उन्होंने अधिकारियों पर विशेष रूप से आम तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं के संबंध में प्रमुख चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

जया बच्चन ने कहा कि वास्तविक मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, कुंभ में आने वाले आम लोगों को कोई विशेष उपचार नहीं मिल रहा है उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं है। वे झूठ बोल रहे हैं कि करोड़ों लोग वहां आये हैं। किसी भी समय उस स्थान पर इतनी बड़ी संख्या में लोग कैसे एकत्र हो सकते हैं?

जया बच्चन को आरोप साबित करना चाहिए : दिनेश शर्मा

भाजपा के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन के बयान पर कहा, मैं कहता हूं कि आपको इसे साबित करना चाहिए, अगर आप इसे साबित नहीं करते हैं तो लोग आपसे सवाल करेंगे। भारतीय संविधान गलत बयानी की इजाजत नहीं देता है। अगर आप अफवाह फैलाते हैं तो आपको सबूत देने होंगे। अगर आप गलत बयानी करते हैं तो आप कानूनी कठघरे में आते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।